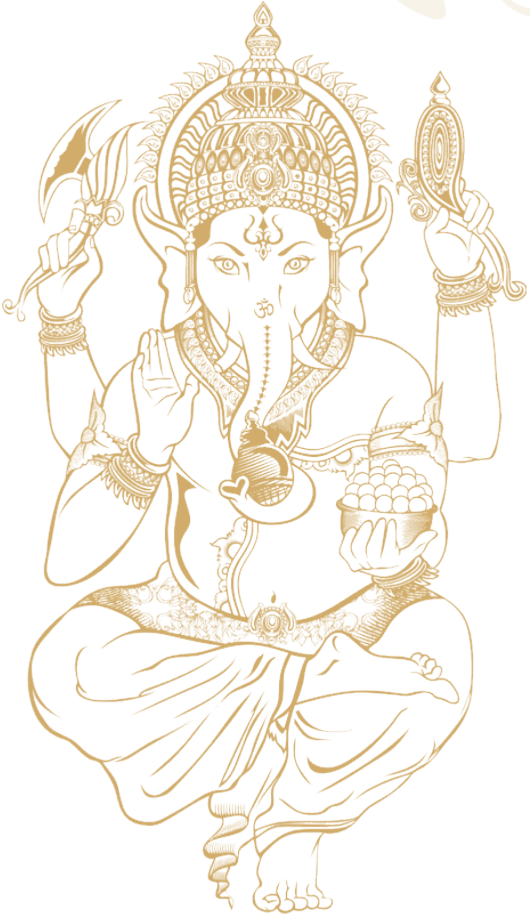

SLM

31 Dec 1961

04:45 PM

Pali Marwar

Model: web-freekundliweb **Order No: 121648110**

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **31/12/1961**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **16:45:00 घंटे**
इष्ट	: 23:25:40 घटी
स्थान	: **Pali Marwar**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 25:46:00 उत्तर
रेखांश	: 73:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:36:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 16:08:44 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:55 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:47:19 घंटे
सूर्योदय	: 07:22:43 घंटे
सूर्यास्त	: 17:55:42 घंटे
दिनमान	: 10:32:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 16:13:29 धनु
लग्न के अंश	: 01:01:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	: **चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: अतिगण्ड
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:01:04	339:19:31	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			धनु	16:13:29	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	00:45:26	12:20:13	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल		अ	धनु	11:44:58	00:45:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	25:01:35	01:37:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			मक	17:01:08	00:13:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	नीच राशि
शुक्र		अ	धनु	09:46:39	01:15:30	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मक	06:17:42	00:06:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		कर्क	25:28:39	00:02:15	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	25:28:39	00:02:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		सिंह	06:56:01	00:01:21	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	19:37:19	00:01:26	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
प्लूटो	व		सिंह	16:42:50	00:00:35	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:59:02	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:24

लग्न-चलित

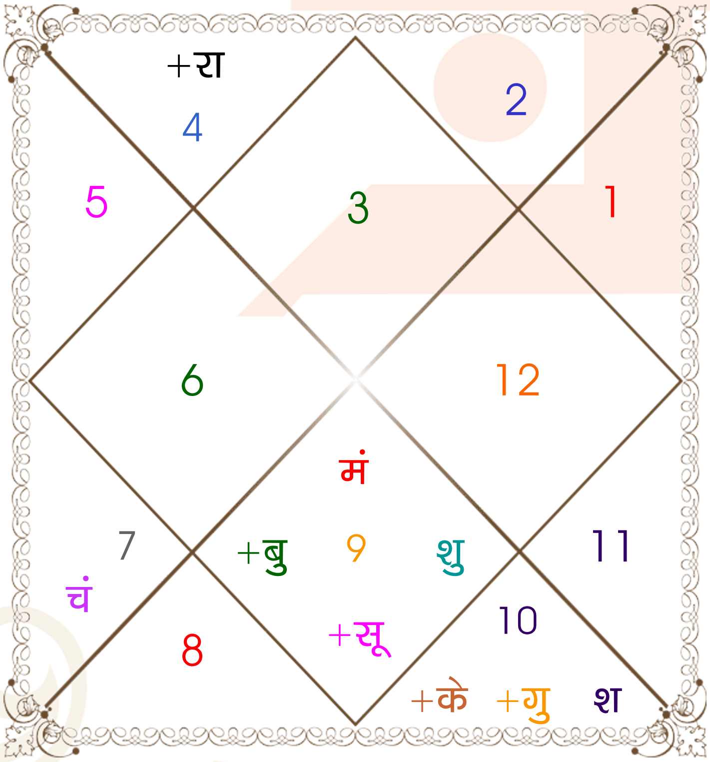

चन्द्र कुंडली

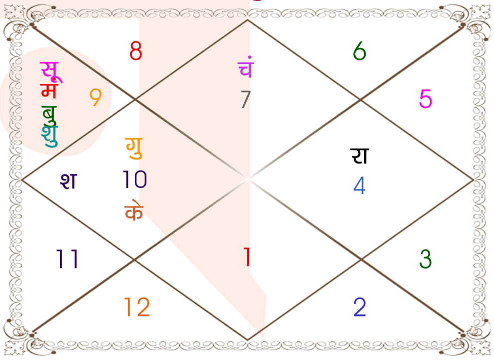

नवमांश कुंडली

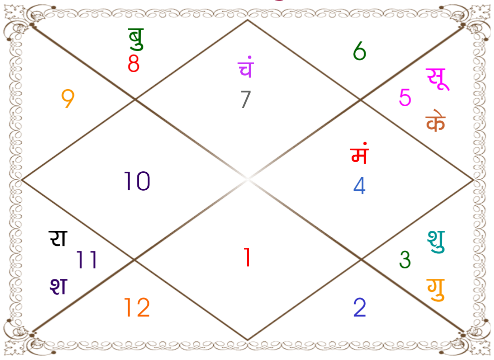

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 1 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
31/12/1961		**06/02/1965**		**07/02/1983**		**07/02/1999**		**07/02/2018**	
06/02/1965		**07/02/1983**		**07/02/1999**		**07/02/2018**		**07/02/2035**	
	00/00/0000	राहु	21/10/1967	गुरु	27/03/1985	शनि	10/02/2002	बुध	05/07/2020
	00/00/0000	गुरु	15/03/1970	शनि	08/10/1987	बुध	20/10/2004	केतु	02/07/2021
	00/00/0000	शनि	19/01/1973	बुध	13/01/1990	केतु	29/11/2005	शुक्र	02/05/2024
	31/12/1961	बुध	09/08/1975	केतु	20/12/1990	शुक्र	28/01/2009	सूर्य	09/03/2025
बुध	05/08/1962	केतु	26/08/1976	शुक्र	20/08/1993	सूर्य	10/01/2010	चंद्र	08/08/2026
केतु	01/01/1963	शुक्र	27/08/1979	सूर्य	08/06/1994	चंद्र	12/08/2011	मंगल	05/08/2027
शुक्र	02/03/1964	सूर्य	20/07/1980	चंद्र	08/10/1995	मंगल	19/09/2012	राहु	22/02/2030
सूर्य	08/07/1964	चंद्र	19/01/1982	मंगल	13/09/1996	राहु	27/07/2015	गुरु	30/05/2032
चंद्र	06/02/1965	मंगल	07/02/1983	राहु	07/02/1999	गुरु	07/02/2018	शनि	07/02/2035

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/02/2035		**07/02/2042**		**07/02/2062**		**07/02/2068**		**07/02/2078**	
07/02/2042		**07/02/2062**		**07/02/2068**		**07/02/2078**		**00/00/0000**	
केतु	06/07/2035	शुक्र	08/06/2045	सूर्य	27/05/2062	चंद्र	08/12/2068	मंगल	06/07/2078
शुक्र	04/09/2036	सूर्य	08/06/2046	चंद्र	26/11/2062	मंगल	09/07/2069	राहु	24/07/2079
सूर्य	10/01/2037	चंद्र	07/02/2048	मंगल	03/04/2063	राहु	07/01/2071	गुरु	29/06/2080
चंद्र	11/08/2037	मंगल	08/04/2049	राहु	25/02/2064	गुरु	08/05/2072	शनि	08/08/2081
मंगल	07/01/2038	राहु	08/04/2052	गुरु	14/12/2064	शनि	08/12/2073	बुध	31/12/2081
राहु	26/01/2039	गुरु	08/12/2054	शनि	26/11/2065	बुध	09/05/2075		00/00/0000
गुरु	02/01/2040	शनि	07/02/2058	बुध	02/10/2066	केतु	08/12/2075		00/00/0000
शनि	09/02/2041	बुध	08/12/2060	केतु	07/02/2067	शुक्र	08/08/2077		00/00/0000
बुध	07/02/2042	केतु	07/02/2062	शुक्र	07/02/2068	सूर्य	07/02/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 0 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।